

Vol 2 Issue 12 June 2013

Impact Factor : 1.2018 (GISI)

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary
Research Journal

*Golden Research
Thoughts*

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595

ISSN No.2230-7850

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho Federal University of Rondonia, Brazil	Mohammad Hailat Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801	Hasan Baktir English Language and Literature Department, Kayseri
Kamani Perera Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka	Abdullah Sabbagh Engineering Studies, Sydney	Ghayoor Abbas Chotana Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]
Janaki Sinnasamy Librarian, University of Malaya [Malaysia]	Catalina Neculai University of Coventry, UK	Anna Maria Constantinovici AL. I. Cuza University, Romania
Romona Mihaila Spiru Haret University, Romania	Ecaterina Patrascu Spiru Haret University, Bucharest	Horia Patrascu Spiru Haret University, Bucharest, Romania
Delia Serbescu Spiru Haret University, Bucharest, Romania	Loredana Bosca Spiru Haret University, Romania	Ilie Pintea, Spiru Haret University, Romania
Anurag Misra DBS College, Kanpur	Fabricio Moraes de Almeida Federal University of Rondonia, Brazil	Xiaohua Yang PhD, USA
Titus Pop	George - Calin SERITAN Postdoctoral Researcher	Nawab Ali Khan College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India	Iresh Swami Ex - VC. Solapur University, Solapur	Rajendra Shendge Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur
R. R. Patil Head Geology Department Solapur University, Solapur	N.S. Dhaygude Ex. Prin. Dayanand College, Solapur	R. R. Yaliker Director Managment Institute, Solapur
Rama Bhosale Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel	Narendra Kadu Jt. Director Higher Education, Pune	Umesh Rajderkar Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik
Salve R. N. Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur	K. M. Bhandarkar Praful Patel College of Education, Gondia	S. R. Pandya Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai
Govind P. Shinde Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai	Sonal Singh Vikram University, Ujjain	Alka Darshan Shrivastava Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar
Chakane Sanjay Dnyaneshwar Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune	G. P. Patankar S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka	Rahul Shriram Sudke Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore
Awadhesh Kumar Shirotriya Secretary, Play India Play (Trust),Meerut	Maj. S. Bakhtiar Choudhary Director,Hyderabad AP India.	S.KANNAN Ph.D , Annamalai University,TN
	S.Parvathi Devi Ph.D.-University of Allahabad	Satish Kumar Kalhotra
	Sonal Singh	

**Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net**



अनुवाद- समस्याएँ एवं समाधान

डेलम डेडे

असिस्टेंट प्रोफेसर (हिंदी विभाग)
वीर वाजेकर अ. एस. सी. कॉलेज फुडे ता. उरण जि. रायगड

सारांश

अनुवाद प्राचीन भारतीय साहित्य की एक विशिष्ट और अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। स्रोत भाषा को लक्ष्य भाषा में रूपांतरित करना अनुवाद है, और यह प्रक्रिया बहुत प्राचीन काल से ही प्रारंभ हो चुकी है। अनुवाद के मूल में एक भाषिक संरचना या अभिव्यक्ति का दूसरी संरचना या अभिव्यक्ति में रूपांतरण होता है। 'अनुवाद' शब्द की उत्पत्ति अनु वद धत्र से हुई है। अर्थात् 'वद' धातु में 'अनु' उपसर्ग तथा धत्र प्रत्यय लगाने से अनुवाद शब्द की उत्पत्ति हुई है।

प्रस्तावना

'वद' संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बोलना। इसमें 'धत्र' प्रत्यय जोड़ देने से यह रूपांतरित होकर 'वद' हुआ और अनु उपसर्ग जोड़ने से अनुवाद हुआ। अतः अनुवाद शब्द का अर्थ हुआ पुनः कथन। अर्थात् किसी के कहने के बाद कहना, किसी कही हुई बात को पुनः कहना।

अनुवाद का कार्य मूलतः दो भाषाओं में चलता है अ) स्रोत भाषा

ब) लक्ष्य भाषा

स्रोत भाषा याने जिस भाषा से अनुवाद किया जा रहा और लक्ष्य भाषा याने जिस भाषा में अनुवाद किया जानेवाला है।

अनुवाद की परिभाषा

1) भोलानाथ तिवारी

“भाषा ध्वन्यात्मक प्रतीकों की व्यवस्था है और अनुवाद इन्हीं प्रतीकों का प्रतिस्थापन”

अर्थात् एक भाषा के प्रतीकों के स्थान पर दूसरी समतुल्य और सहज प्रतीकों का प्रयोग।

2) डॉ. गार्गी गुप्त

अनुवाद प्रक्रिया के दो मुख्य अंग होते हैं। अर्थबोध और व्याकरण समत भाषा में स्पष्ट संप्रेषण। इसीलिए अनुवाद की निष्ठा से मुखी होती है मूल रचनाकार के प्रति अर्थबोध की दृष्टि से और पाठक के प्रति शुद्ध तथा सुबोध संप्रेषण की दृष्टि से। मूल रचना की जो संकल्पनाएँ अथवा स्थितियाँ अथवा स्थितियाँ अनुदित रचना के पाठक के लिए अज्ञात अस्पष्ट या दुरूह हों, उनकी व्याख्या, स्पष्टीकरण अंतर्संबंधों का विवरण देना अत्यावश्यक है। यदि हम पाठक की मूल रचना की मनोहारी भूमि में संदेह ले जाना चाहते हैं तो उसका वह मनोहर स्वरूप यथावत उसके मन में भी प्रतिबिम्बित होना चाहिए।

3) डॉ. सत्यव्रत

“स्रोत भाषा के व्यक्त भावों को लक्ष्य भाषा में व्यक्त करना बड़ा कठिन कार्य है, क्योंकि हर भाषा विशिष्ट परिवेश में पनपती है और तदनु रूप ही ध्वन्यात्मक, शब्दिक, वाक्यमूलक, अर्थनिष्ठ और मुहावरे तथा लोकोक्ति विषयक निजी संरचना से वह दृढीभूत होती है, पूर्णताः शब्द और अर्थ की समान अभिव्यक्ति दूसरी भाषा में कदापि संभव नहीं होती, क्योंकि स्रोत भाषा की अभिव्यक्ति से उदघाटित अर्थ लक्ष्य भाषा के अर्थ की अपेक्षा विस्तृत, संकुचित या भिन्न हो सकता है।”

उपर्युक्त बातों से कहा जा सकता है कि अनुवाद बहुत प्राचीन प्रक्रिया है। इसमें एक भाषा की सामग्री को दूसरी भाषा में रूपांतरित करना पड़ता है। लेकिन

यह देखने या सुनने में जितनी सरल प्रक्रिया नहीं है। अनुवाद करते समय मूल या स्रोत भाषा में वर्णित भावों को हानी न पहुँचते हुए उसे लक्ष्य भाषा में रूपांतरित करना पड़ता है। अगर यह नहीं हो सका तो स्रोत भाषा मूल सौंदर्य, लेखक का मूल उद्देश्य खत्म हो जाता है। इसीलिए अनुवाद करते समय अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मुहावरों, लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ तथा समाधान

अनुवाद करते समय अनुवादक को मुहावरों तथा लोकोक्तियों के अनुवाद में सबसे बड़ी बाधा लगानी पड़ती है। मुहावरे, लोकोक्तियाँ समाज के सामूहिक जीवन का शाब्दिक रूप से अनुभव के आधार पर स्थापित रूप हैं जो वाक्यांश सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराये, उसे मुहावरा कहते हैं। मुहावरे विहारी के दोहों की तरह होते हैं। देखने में छोटे लागे, घाव करे गंभीर' वे देखने में तो छोटे लगते हैं, लेकिन उनसे जे अर्थ निकलता है वह पूरे वाक्य की नींव हीला देता है।

अनुवाद कई तरह से रूपांतरित किए जाते हैं। कुछ शब्दों के अर्थ से बनते हैं, तो कुछ अपने शब्दों से संबंधित परंपरा, रूढ़ि, जननी आदि के आधार पर बनते हैं। कभीकभी कोई लोककथा मुहावरों के बीच में मिलती है। इन परंपरा आदि के ज्ञान के अभाव में मुहावरा निरर्थक सा लगता है। इसी कारण अंग्रेजी के मुहावरे भारतीय भाषाओं में मूल शब्दों में अनुवाद नहीं होते। उसी प्रकार पाँचों ऊँगलियाँ घी में, दिवाला निकालना, मस्का मारना आदि हिंदी के मुहावरे भारतीय संस्कृति से संबंधित हैं। इन मुहावरों को विदेशी भाषा बोलनेवाले समझ नहीं पायेंगे। शब्द तत्त्व, व्याकरणिक दृष्टि से भी मुहावरों में परिवर्तन होता है। इसी कारण मुहावरों का अनुवाद करने में कठिनाई बढ़ जाती है। किंतु स्रोत भाषा के मुहावरे का अनुवाद करते समय एकएक शब्द का अनुवाद न करके इसे लक्ष्य भाषा में उसके समान अर्थ का बोध करानेवाले शब्दों को लकर उसमें सौंदर्यबोध लाया जा सकता है। स्रोत भाषा में जो मुहावरा सौंदर्य बढ़ाता है, उसी प्रकार लक्ष्य भाषा में उसके समान अर्थवाला मुहावरा सौंदर्य उत्पन्न कर सकता है।

मुहावरों का अनुवाद करते समय जिन बातों की ओर ध्यान देना चाहिए उसकी चर्चा करते हुए एल. एन. शर्मा 'कौशिक' लिखते हैं 'साधारणताः मुहावरों के प्रयोग से जो चमत्कार उत्पन्न होता है उसे अनुवाद के जरिए लक्ष्य भाषा में अंतरित कर पाना तो एक दुष्कर कार्य है पर उसके अर्थ को कुछ सीमा तक अवश्य ही अंतरित किया जा सकता है। इसके लिए सर्व प्रथम उसे लक्ष्य भाषा में ऐसे मुहावरों की तलाश करनी चाहिए जो शब्द एवं अर्थ दोनों ही दृष्टियों से समान या समतुल्य हों। यदि उसमें कोई एसा मुहावरा उपलब्ध न हो तो फिर उसे स्रोत भाषा के अर्थ को व्यक्त करनेवाले मुहावरे की खोज करनी चाहिए। यदि इस तरह का मुहावरा भिन मिले तो उसे उसका भावानुवाद कर देना चाहिए पर अपनी तरफ से कोई नया मुहावरा नहीं गढ़ना चाहिए और नही उसका शब्दानुवाद करना चाहिए। डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर भी भावानुवाद पर बल देते हुए लिखते हैं 'जहाँ मूल भाषा के मुहावरों के लिए उचित अनुवाद मुहावरे में मिल नहीं सकता वहाँ मूल मुहावरे का भाव समझने वाले शब्दों का प्रयोग ही उचित है।

इस प्रकार कह सकते हैं कि मूल या स्रोत भाषा के भाव को लेखक के उद्देश्य को हानी न पहुँचाते हुए उसे लक्ष्य भाषा में रूपांतरित करना चाहिए। अगर स्रोत भाषा शब्दों से न समानता रखनेवाले शब्द लक्ष्य भाषा में प्राप्त न हो सके, तब वहाँ स्रोत भाषा के भावों को दर्शानेवाले शब्दों की खोज लक्ष्य भाषा में करके उसका रूपांतरण करना चाहिए।

शमत्तुल्य मुहावरे

अनुवाद को स्रोत भाषा के मुहावरों में प्रयुक्त शब्द तथा आशय भाव को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य भाषा में उन्हें खोजना पड़ता है। किंतु वहीत से ऐसे मुहावरे हैं जे अर्थ, भाव, शब्द की दृष्टि दोनों भाषाओं में पाए जाते हैं।

उदा .	मराठी द्राक्षे आंबट होणे नाचता येईना अंगण वाकडे	हिंदी अंगूर खटटे होना। नाच न आवे आँगन टेढा। आग में घी डालना।	अंग्रेजी Grapes are sour	वंगला आगुने घी डालना
-------	---	---	-----------------------------	-------------------------

हिंदी और अंग्रेजी में भी ऐसे मुहावरे दिखाई देते हैं जे शब्द और अर्थ दोनों की समानता रखते हैं।

हिंदी बच्चों का खेल मगर मच्छ के आँसू अंधेरे में रखना खानदानी परिवार	अंग्रेजी Childs play Crocodile tears to keep in dark Blue blood
---	---

अर्थ की समानतावाले मुहावरे

शब्द और आशय में समानता रखनेवाले मुहावरे अगर न मिले तो उस जगह पर अर्थ को ध्यान में रखा जाता है।

उंट के मुंह में जीरा दोहरी नीति फारसी आव शुदन हिंदी पानी पानी होना। मराठी गाढवाला गुळाची चव काय? हिंदी बन्दर क्या जाने अद्रक का स्वाद?	adroop in the ocean douple dealing
---	---------------------------------------

मुहावरों का शब्दानुवाद

अगर अर्थ की दृष्टि से समान मुहावरा न मिले तो अनुवाद का सहारा लेके शब्दानुवाद किया जाता है। किंतु हिंदी में ऐसे वहीत मुहावरे हैं जो शब्दानुवाद के जरिए

अनुवाद- समस्याएँ एवं समाधान



हिंदी में आएँ हैं।

Black Market	काला बाजार
Black Money	काला धन
Cold War	शीत युद्ध
Mile Stone	मील का पत्थर
To bell the cat	विल्ली के गले में घंटी बांधना।

भावानुवाद

जहाँ शब्दानुवाद से अर्थ संप्रपण में बाधा पड़ती है वहाँ भावानुवाद का लिया जाता है।

Once in a blue moon	कभी कभार
On the sky	गुप्तगुप्त
Hite pulling	हेराफेरी
To split hair	बाल की खाल निकालना

Publish Research Article International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- * International Scientific Journal Consortium Scientific
- * OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net